

भारतीय टीम के अन्य प्रदर्शन महिला कंपाउंड श्रेणी में भारत मधुरा धर्मांगवकर ने पहले दौर 142-145 से मेक्सिको की मरिया बर्नाल से हारकर बाहर हो गई। फुल कंपाउंड श्रेणी में ऋषभ यादव भास्कर ने एकमात्र प्रतिभागी हैं और उन मुकाबला दक्षिण कोरिया के विजयेंद्र सिंह को हराया। रिक्चर श्रेणी कोई भी भारतीय खिलाड़ी क्वालीफाई नहीं कर पाया।

र में किसी
प्यारी सी
।

3 अफगान क्रिकेटर्स समेत 8 की मौत रिहाइशी इलाकों में पाक ने किया हमला

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के सीमाई प्रांत पक्तिका में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमले में तीन अफगान क्रिकेटरस समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि ये खिलाड़ी अगले महीने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला में हिस्सा उरगुन से पक्तिका प्रांत के शाराना गए थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीनों खिलाड़ियों के नाम कबीर, सिबघतुल्लाह और हारून बताए और बताया कि हमलों में पांच अन्य लोग भी मारे गए। एसीबी ने इसे पाकिस्तानी शासन द्वारा किया गया एक कारगराना हमला बताया। इस हमले के बाद, अफगानिस्तान ने त्रिकोणीय श्रृंखला से अपना नाम वापस ले लिया। एसीबी ने हमले के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। पाकिस्तान अपनी दोगली हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ जारी संघर्ष विराम के बीच पक्तिका प्रांत में नागरिकों को निशाना बनाकर हवाई हमले किया है। एक तालिबान अधिकारी ने हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने संघर्ष विराम



तोड़ दिया है। एक तालिबानी अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने अरगुन और बरमल जिलों में आवासीय इमारतों को निशाना बनाया है।

पाकिस्तान अब अफगानिस्तान के साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता : ख्वाजा आसिफ

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अब अफगानिस्तान के साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता। उनकी यह टिप्पणी 48 घंटे के संघर्ष विराम की समय सीमा समाप्त होने के बाद आई है। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि युद्धविराम की अवधि इसलिए बढ़ा दी गई है क्योंकि दोनों पक्षों के प्रतिनिधि मौजूदा तनाव का समाधान ढूँढने के लिए कतर के दोहा में मिलने वाले हैं। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान अब काबुल के साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी धरती पर रहने वाले सभी अफगानों को अपने वतन लौटना होगा। हमारी जमीन और संसाधन 25 करोड़ पाकिस्तानियों के हैं। उन्होंने कहा, आत्मरममान वाले देश विदेशी जमीन और संसाधनों पर नहीं पनते। उन्होंने अफगानिस्तान को धमकी देते हुए कहा, पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद जहां भी पनपेगा, वहां से भारी कीमत वसूल की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी, अब न तो विरोध पत्र देंगे और न ही शांति की अपील की जाएगी और कोई प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। आतंकवाद का स्रोत चाहे कहीं भी हो, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत के खिलाफ अपनी भड़ास निकालते हुए आसिफ ने यह भी आरोप लगाया कि अफगानिस्तान भारत का छत्र बन गया है और नई दिल्ली तथा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ मिलकर पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रहा है। काबुल के शासक भारत की गोद में बैठकर पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।

ढाका इंटरनेशनल एयरपोर्ट में आग लगी : सभी फ्लाइट्स रोकी गई

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के कार्गो एरिया में आज दोपहर भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज फैली कि एयरपोर्ट ऑथॉरिटी को सभी उड़ानों को तुरंत रोकना पड़ा। मामले में बिमान बांग्लादेश एयरलाइन्स के प्रवक्ता कौसर महमूद ने बताया कि आग लगते ही हवाई अड्डे की दमकल टीम, वायुसेना की फायर यूनिट और अन्य एजेंसियों की टीमों तुरंत मौके पर पहुंचीं और मिलकर आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। फायर सर्विसेस ने बताया कि आग एयरपोर्ट के गेट नंबर 8 के पास कार्गो विलेज में दोपहर 2:30 बजे के

आसपास शुरू हुई। अभी तक किसी की जान नहीं गई है, लेकिन माल ढुलाई का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। फायर सर्विसेस एंड सिविल डिफेंस के प्रवक्ता ताल्हा बिन जाशिम ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर भेजी गई है। इनमें बांग्लादेश फायर सर्विसेस, सिविल एविएशन ऑथॉरिटी, वायुसेना की दो फायर यूनिट्स और नौसेना की टीम शामिल हैं। काला धुआं इतना घना था कि आसपास के इलाकों में हवा खराब हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसमें जहरीली गैसों हो सकती हैं, जिससे आसपास के लोगों को सांस की दिक्कत हो सकती है।



'जहां हैं, वहीं रुक जाएं और युद्ध खत्म करें..'

जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद यूक्रेन और रूस से बोले ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बैठक के बाद कीव और मांस्को से कहा कि जहां हैं, वहीं रुक जाएं और अपने क्रूर युद्ध को समाप्त करें। पिछले नौ महीनों में इस युद्ध को लेकर ट्रंप की नाराजगी कई बार सामने आ चुकी है, जब से वह दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। लेकिन इस बार उन्होंने संकेत दिया कि यूक्रेन को वह इलाका छोड़ देना चाहिए जो रूस ने कब्जे में ले लिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' पर लिखा, काफी खून बह चुका है। अब जमीन की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। अब उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए। दोनों ही पक्ष युद्ध की विजैता मानें और ऐतिहासिक फैसला करें। बाद में जब ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे (जहां वह

ट्रंप का रवैया समय के साथ बदलता रहा है। पहले वह यूक्रेन को जमीन छोड़ने की सलाह दे रहे थे। लेकिन हाल के हफ्तों में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रति नाराजगी जताई और यूक्रेन की आवाज मदद करने की बात करने लगे थे। इसका मतलब है कि ट्रंप की सोच स्थिर नहीं रही। कभी वो यूक्रेन को समर्थन देने की बात करते हैं, तो कभी उसे समझौता करने के लिए कहते हैं।

पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यहां तक कहा था कि उन्हें लगता है यूक्रेन वो सभी इलाके वापस ले सकता है जो उसने फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद खो दिए। यह ट्रंप का एक बड़ा यू-टर्न था, क्योंकि इससे पहले वह कहते थे कि यूक्रेन को शांति के लिए जमीन छोड़नी होगी।

आपकी लगाई आग, आपका ही घर जलाए तो हैरान मत होइए'

पाकिस्तानी सेना प्रमुख को अफगानी सांसद की धमकी

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष विराम चल रहा है, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने चौंकाते हुए डरंड रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और अफगानिस्तान में हवाई हमला किया। इस हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेटर्स समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया में पाकिस्तान की आलोचना हो रही है। अफगानिस्तान की पूर्व सांसद मरियम सोलायमानखिल ने पाकिस्तान के हमले की कड़ी निंदा की और इसे कायरतापूर्ण और बर्बर हमला करार दिया।

'हिंसा, पाकिस्तानी सेना का तरीका'
सोलायमानखिल फिलहाल अमेरिका में रह रही हैं और उन्होंने



एनडीटीवी के साथ बातचीत में पाकिस्तानी हमले को व्यवस्थागत आतंकवाद बताया और पाकिस्तानी सेना को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

'भारत-अफगानिस्तान की साझेदारी से पाकिस्तान खतरा महसूस करता है'

सोलायमानखिल ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी की भारत यात्रा को लेकर कहा, 'जब भी अफगानिस्तान अपने ऐतिहासिक साझेदार भारत के करीब आता है, तो इससे पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को खतरा महसूस होता है। उनकी पूरी अश्वत्थस्था ही युद्ध और विनाश पर टिकी है। वे अफगानों और भारतीयों के बीच शांति बरिश्त नहीं कर सकते।' सोलायमानखिल ने भारत और अफगानिस्तान दोनों से रावलपिंडी में जन्मी चरमपंथी विचारधारा के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने अफगान लोगों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की तारीफ की और इस बात पर जोर दिया कि हमारी साझा संस्कृति और इतिहास को पाकिस्तान से नियंत्रित चरमपंथ को हराना होगा।

में फैलाती आ रही हैं, लेकिन युवा क्रिकेटर्स, बच्चों और महिलाओं को मारे जाते देkhना दिल दहला देने वाला है।

'निर्वासित सांसद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को धमकी देते हुए कहा कि, 'आप जो बोते हैं, वही काटते हैं। वशकों से,

आपने आतंकवादियों को पाला है और उन्हें हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। जब आपके द्वारा लगाई गई आग आपके ही घर को जला दे, तो हैरान मत होइए।' उन्होंने पाकिस्तानी सेना पर टीटीपी विरोधी अभियानों की आड़ में आम नागरिकों की हत्याएं करने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को दी हमले की चेतावनी

तालिबान सरकार ने कहा- हवाई हमलों का जवाब देने का अधिकार

इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अफगानिस्तान को शांति और अशांति के बीच चयन करने की चेतावनी दी। उन्होंने तालिबान शासन से कहा कि वह पाकिस्तान के अंदर हमले करने के लिए अफगानिस्तान की धरती का उपयोग करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ सख्त और तत्काल कार्रवाई करें। वहीं, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल में हुई खुनी झड़प और हवाई हमलों के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधि आज दोहा में शांति वार्ता के लिए मुलाकात करने जा रहे हैं।

इस बीच, तालिबान सरकार ने स्पष्ट कहा है कि अफगानिस्तान को पाकिस्तान के हवाई हमलों का जवाब देने का पूरा हक है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान शांति और बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन हाल की घटनाएं पाकिस्तान की आक्रामकता की वजह से हुई हैं। मुजाहिद ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार आज पाकिस्तान के साथ बातचीत दोहा में होनी है। इसके लिए अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दोहा के लिए रवाना हो चुका है। हालांकि, उन्होंने बताया कि



बातचीत से ठीक पहले बीती रात पाकिस्तानी सेना ने पक्तिका प्रांत के आम नागरिक इलाकों में फिर से हवाई हमले किए। जिसमें कई आम नागरिकों की मौत और घायल होने की खबर है। तालिबान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया। मुजाहिद ने कहा, इस्लामी अमीरात इन हमलों का जवाब देने का अधिकार रखता है। लेकिन अपने वालाकारों की गरिमा और बातचीत की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल नई सैन्य कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया है। हम दोहराते हैं कि अफगानिस्तान क्षेत्रीय शांति और समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन हालिया घटनाएं पूरी तरह से पाकिस्तान की ओर से की गई आक्रामकता का

नतीजा हैं। टोलो न्यूज के अनुसार, इस बीच पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल भी दोहा पहुंच गया है, जिसमें पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और खुफिया प्रमुख असीम मलिक शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कंधार के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अफगान सीमा बलों और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच झड़पों की वजह से स्पिन बोल्डक इलाके से करीब 20,000 परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से की गई अंधाधुंध बमबारी की वजह से ये लोग रेगिस्तानी इलाकों और अन्य अमरुक्षित जगहों पर जाकर शरण ले रहे हैं, जहां बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। इन विस्थापित परिवारों की मदद के प्रयास जारी हैं।

सांविधानिक सुधारों से युवा असंतुष्ट संसद परिसर में किया बवाल

ढाका। राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक सुधार सुनिश्चित करने वाले जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन युवाओं के भारी विरोध व नवगठित (नेशनल सिटिजन पार्टी-एनसीपी) के विरोध के कारण अंतरिम सरकार का जशन फीका पड़ गया। हालात यह रहे कि जुलाई चार्टर के सांविधानिक प्रावधानों में अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज युवा प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे को फांदकर संसद भवन परिसर में दाखिल हो गए और जमकर बवाल काटा। इस दौरान सरकार विरोधी नारे भी लगे। खुद को हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनकारी बताते हुए युवा शुक्रवार सुबह से ही संसद

भवन के पास एकत्र होने लगे थे। वे इस बात पर नाराजगी जता रहे थे कि नए चार्टर में उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जबकि हसीना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के दौरान उनके कई प्रियजनों की मौत हुई है। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जब पीछे हटने से इन्कार किया तो पुलिस ने उनको तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। इस बीच युनुस ने संसद भवन के बाहर एकत्रित जनसमूह को बताया कि जुलाई चार्टर में हस्ताक्षरों का अर्थ है कि एक नया बांग्लादेश आकार ले रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद की सजा माफ की, धोखाधड़ी के लिए हुई थी सात साल की जेल

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद जॉर्ज सेंटोस स की सजा माफ की। सेंटोस पर धोखाधड़ी और लोगों की पहचान चुराने के आरोप लगे थे, जिसके चलते उन्हें सात साल से अधिक की जेल हुई थी। सेंटोस ने पिछले साल कबूल किया था कि उन्होंने दान देने वालों (डोनर) को धोखा दिया और अपने चुनावी अभियान के लिए 11 लोगों की पहचान चुराई थी, जिसमें उनके परिवार के लोग भी शामिल थे।



कार्रवाई की सराहना की है। जेल प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सेंटोस ने जेल में रहते हुए स्थानीय अखबार में जेल की स्थिति पर नियमित रिपोर्ट लिखी। हाल ही में उन्होंने ट्रंप से सीधे अपील की कि उन्हें परिवार और समुदाय के पास लौटने का मौका दिया जाए। ट्रंप की ओर से कई

रिपब्लिकन नेताओं की सजा पहले माफ की चुकी है। मई में उन्होंने पूर्व सांसद माइकल ग्रिम को भी माफ किया था, जो अपने रेस्तरां में वेतन और आमदनी के गलत तरीके के लिए दोषी पाए गए थे। लेकिन सेंटोस का मामला अपनी पार्टी के भीतर विवादस्पद रहा है। वह 2022 में सार्वजनिक तौर पर ट्रॉसजेंडर

रेड क्रॉस को सौंपा गया इस्राइली बंधक ताबूत, नेतन्याहू के कार्यालय ने की पुष्टि

दीर अल-बलाह। इस्राइल को शुक्रवार को एक और बंधक का शव सौंपा गया है। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हमาส ने यह शव रेड क्रॉस के जरिये सौंपा गया। शव सौंपकर हमาส युद्ध को खत्म करने के लिए जारी संघर्षविराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बाद में रेड क्रॉस ने यह शव इस्राइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया। शव को इस्राइल के राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा केंद्र को भेजा गया, जहां से इसकी पहचान की प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद ही परिजनों की इसकी सूचना दी जाएगी।

हमाम की तरफ से शव की पुष्टि हमाम के लड़ाकू संगठन कसम ब्रिगेड ने कहा कि यह शव एक 'कब्जे में लिए गए कैदी' का है। इसका मतलब है कि यह शव किसी इस्राइली नागरिक का है, न कि किसी अन्य देश के बंधक



का। संघर्षविराम समझौते के तहत शवों को कोशिश कर रहा है। इस हफ्ते हमाम ने इस्राइल को नौ बंधकों के शव सौंपे हैं। एक अतिरिक्त शव भी दिया गया, जिसे इस्राइल ने कहा कि वह बंधक का नहीं था। हमाम का कहना है कि वह संघर्षविराम के नियमों का पालन कर

रहा है और शवों को लौटाने की कोशिश कर रहा है। इस हफ्ते हमाम ने इस्राइल को नौ बंधकों के शव सौंपे हैं। एक अतिरिक्त शव भी दिया गया, जिसे इस्राइल ने कहा कि वह बंधक का नहीं था। हमाम का कहना है कि वह संघर्षविराम के नियमों का पालन कर

एजेंसियों ने कहा कि हमाम को समझौते के तहत सभी शव लौटाने होंगे। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर हमाम सभी शव नहीं लौटाता तो वह इस्राइल को युद्ध फिर से शुरू करने की अनुमति देगा। इस्राइली सेना और सुरक्षा

